नार करगसा आणी

सभी भाया ने अरज मारी, नार करगसा आणी,
संत आता देखिया, दूध में मिलायो पाणी ,

पांच पच्चीस भैसियां मले, दोजा की धराणी,
संत आता देखियां, दूध में मिलायो पाणी ,

छाछ गालता छाती फाटे, दूध गालबो दोरो ,
रोटियां देता रोज आवे, झूठ बोलवो होरो ,

सगा जेठजीऊं लड़बा चाली, काणियां गुंगटा वाली ,
दोर जेठानियां ने गाल गमेड़ी,अबे मरदड़ी ने जाणी ,

कड़िया पहरे लगड़ पहरे, नांक में पहरे बाली,
नख-नख पर गहणो पहरके,घर का धणी सामे नाली,

पदम गुरूजी परवाणी मिलिया, लाडूरामजी जाणी ,
गुर्जर गरीबीऊं कनीरामजी बोले,न्यारी-न्यारी छाणी ,

गायक भेरू पुरी सोपुरा (भीलवाड़ा)

Source: https://www.bharattemples.com/nar-kargsa-aani/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw